तेरो लाल चुरावे माखन | By Pradeep Agarwal

तेरो लाल चुरावे माखन
मैया से बोली ग्वालन
छींका पे चढ़ के मेरी मटकी फोड़ दई
अरे कछु खायो कछु बाँट दयो सारो माखन और दही
तेरो लाल चुरावे माखन.....

तेरी ये कान्हा मैया कैसे है चोर निराला
मौका पड़ते ही सारा माखन ये चट कर ताला
परेशान मैं हुई मेरी मटकी फोड़ दई
अरे कछु खायो कछु बाँट दयो सारो माखन और दही
तेरो लाल चुरावे माखन.....

गुस्से में मैया बोली मुझको बतलाओ लाला
बोलो क्या झूठ कहे है सारी ये ब्रज की बाला
बात है ये क्या सही क्या मटकी फोड़ दई
अरे कछु खायो कछु बाँट दयो तेने माखन और दही
क्या तेने खायो माखन मुझको बतलाओ मोहन

मैया मैं सुबह सवेरे जाट ाहूँ गाय चराने
आता मैं वहां से कैसे इसका दही माखन खाने
ना इसको घर गया ना मटकी फोड़ दई
ना खायो ना बांटयो है मैंने माखन और दाहि
मैंने नहीं खायो माखन मैया से बोले मोहन

फिर बोले बांके बिहारी तू इनकी चाल ना जाने
मुझसे मिलने को आती करके कितने बहाने
आशीर्वाद ले गयी शिकायत भी कर गयी
और तुझको माँ ना पता चला ये दर्शन भी कर गई
मैंने नहीं खायो माखन मैया से बोले मोहन
मैंने नहीं खायो माखन मैया से बोले मोहन

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%8b-%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%b2-%e0%a4%9a%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%96%e0%a4%a8-by-pradeep-agarwal/